Exposure Visit cum Training for farmers under NABARD Farmers Technology Transfer Fund (FTTF) Programme

Gramin Vikas Trust, Banswara (Rajasthan) organized an Exposure Visit cum Training Programme for farmers under NABARD FTTF (Farmers Technology Transfer Fund) Programme during 16th December, 2013 to 19th December, 2013 at Sikkar in Alwar district Rajasthan.

बांसवाड़ा के कृषको का सीकर व अलवर जिले मे जैन इरीगेशन मे 4 दिवसीय भ्रमण व प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न। समन्वित कृषि का मॉडल अपनाने से ही किसानो की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी ।

– डॉ. पंकज जैन
बांसवाड़ा, दिनांक 20–12–2013

आज के युग मे समन्वित कृषि का मॉडल अपनाने से ही किसानो की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का आधार बन सकती है अतः हमे अनाज की फसलो के साथ दलहनी, सब्जी एव फलो एवं फुलो की खेती करनी होगी। उक्त उद्‌गार जैन इरीगेशन जयपुर के समन्वयक डॉ. पंकज जैन ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रायोजित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित किसान पौद्योगगिकी स्थानान्तरण कार्यक्रम अंतर्गत् किसानो को सीकर एवं अलवर जिले मे भ्रमण के दौरान कही।

सर्वप्रथम किसानो को सीकर जिले के खुड़गाव मे भ्रमण दल के सदस्यो को अनार की वाड़ीया दिखाते हुए डॉ. पंकज जैन ने कहा कि यदि हम वैज्ञानिक तरीके से समन्वित खेती करे तो हमे प्रति एकड़ अधिक लाभ मील सकता है। किसानो द्वारा सीकर मे अनार की वाड़ीया, ड्रिप सिंचाई पध्दती, जल प्रबंधन, ग्रीन हाउस आदि का अवलोकन किया तथा वहा के किसानो से रूबरू होकर वाड़ीयो से सम्बधित विभिन्न जानकारीया प्राप्त की।

सीकर के पश्चात किसानो को अलवर मे जैन इरीगेशन के डॉ. विशाल शर्मा व अरविन्द कुमार ने जैन इरीगेशन के विभिन्न उत्पादो जैसे पाईप, ड्रीप सिस्टम, केले व अनार का टिश्यु कल्चर, सोलर लाईट आदि के बारे मे विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम मे ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर ने संस्था द्वारा संचालित परियोजनाओ की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत् 18 वर्शो से भारत वर्श के 9 राज्यो मे जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। बांसवाड़ा कार्यालय अंतर्गत संस्था द्वारा वर्तमान मे नाबार्ड द्वारा 5 अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व 1 जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। जिला परियोजना समन्वयक हरेन्द्र कुमार तोमर ने जलग्रहण, किसान क्लबो से जुड़कर लाभान्वित होन के बारे मे बताया।

कार्यक्रम मे ट्रस्ट के परियोजना अधिकारी अनील जैन, नरेन्द्र नागर, नितीन जोशी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

एच. के. तोमर

जिला परियोजना समन्वयक बांसवाड़ा

<u>Press Clippings of the event attached as below:</u>

अर्जेन्ट टाईम्स

डूंगरपुर, शनिवार 21 दिसम्बर, 2013

समन्वित कृषि का मॉडल अपनाने से ही किसानो की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी- डॉ. पंकज जैन

बांसवाड़ा के कृषको का सीकर व अलवर जिले में जैन इरीगेशन में 4 दिवसीय भ्रमण व प्रशिक्षण कार्यक्रम

बांसवाड़ा 20 दिसम्बर। आज के युग में समन्वित कृषि का मॉडल अपनाने से ही किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकेगी। हमें अनाज की फसलों के साथ दलहनी, सब्जी एवं फलों एवं फूलों की खेती करनी होगी। यह बात जैन इरीगेशन जयपुर के समन्वयक डॉ. पंकज जैन ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रायोजित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित किसान प्रौद्योगिकी स्थानान्तरण कार्यक्रम अन्तर्गत किसानों को सीकर एवं अलवर जिले में भ्रमण के दौरान कही। किसानों को सीकर जिले के खुटगाव में भ्रमण दल के सदस्यों को अनार की बाड़ीया दिखाते हुए डॉ. पंकज जैन ने कहा कि यदि हम वैज्ञानिक तरीके से समन्वित खेती करे तो हमें प्रति एकड़ अधिक लाभ मिल सकता है। किसानों द्वारा सीकर में अनार की बाड़ीया, ड्रिप सिंचाई पद्धति, जल प्रबंधन, ग्रीन हाउस आदि का अवलोकन किया तथा वहा के किसानो से रूबरू होकर बाड़ीयो से सम्बंधित विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। सीकर के बाद किसानो को अलवर में जैन इरीगेशन के डॉ. विशाल शर्मा व अरविन्द कुमार ने जैन इरीगेशन के विभिन्न उत्पादों जैसे पाईप, ड्रीप सिस्टम, केले व अनार का टिश्यु कल्चर, सोलर लाईट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला परियोजना समन्वयक हरेन्द्र कुमार तोमर ने जिले में नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियो पर प्रकाश डालते हुए बाड़ी परियोजना, जलग्रहण, किसान क्लबो से जुड़कर लाभान्वित होने के बारे में बताया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के परियोजना अधिकारी अनील जैन, नरेन्द्र नागर, नितीन जोशी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

राजस्थान पत्रिका

बांसवाड़ा

शनिवार, 21 दिसम्बर 2013

कृषक भ्रमण

बांसवाड़ा. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक प्रायोजित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से आयोजित किसान प्रौद्योगिकी स्थानान्तरण कार्यक्रम अंतर्गत किसानों का 4 दिवसीय सीकर एवं अलवर जिले में भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। जिला परियोजना समन्वयक एच.के.तोमर ने बताया कि इस दौरान जैन इरीगेशन जयपुर के समन्वयक पंकज जैन ने किसानों को समन्वित कृषि का मॉडल अपनाने पर जोर दिया। किसानों को वहां ड्रिप सिंचाई पद्धति, जल प्रबंधन, ग्रीन हाउस, सोलर लाइट आदि के बारे में जानकारी दी गई।

दैनिक नवज्योति
बांसवाड़ा-डूंगरपुर
उदयपुर ■ 21 दिसम्बर, 2013 ■ शनिवार 7

बांसवाड़ा। अलवर व सीकर में खेती संबंधित जानकारी लेता जिले के कृषकों का दल। फोटो-नवज्योति

वैज्ञानिक तरीके से समन्वित खेती पर अधिक लाभ

सिंचाई का भ्रमण व प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

न्यूज सर्विस

बांसवाड़ा, 20 दिसम्बर। जिले के कृषकों ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रायोजित एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित किसान प्रौद्योगिकी स्थानान्तरण कार्यक्रम अंतर्गत सिंचाई के 4 दिवसीय भ्रमण व प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर सीकर व अलवर का दौरा किया।

जीवीटी के परियोजना समन्वयक एचके तोमर ने बताया कि किसानों को इरीगेशन जयपुर के समन्वयक डॉ. पंकज जैन ने अनाज के साथ ही दलहनी, सब्जी एवं फल एवं फूलों की खेती के लिए प्रेरित किया। किसानों को सीकर जिले के खुड़गांव में भ्रमण दल के सदस्यों को अनार की बाड़ी दिखाते हुए डॉ. पंकज जैन ने कहा कि यदि हम वैज्ञानिक तरीके से समन्वित खेती करें तो हमें प्रति एकड़ अधिक लाभ मिल सकता है।

किसानों ने सीकर में अनार की बाड़ियां, ड्रिप सिंचाई पद्धति, जल प्रबंधन, ग्रीन हाउस आदि का अवलोकन किया तथा वहां के किसानों से रूबरू होकर बाड़ीयों से सम्बधित जानकारियां प्राप्त की। सीकर के पश्चात किसानों को अलवर में जैन इरीगेशन के डॉ. विशाल शर्मा व अरविन्द कुमार ने जैन इरीगेशन के विभिन्न उत्पादो जैसे पाईप, ड्रीप सिस्टम, केले व अनार का टिश्यु कल्चर, सोलर लाईट आदि के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला परियोजना समन्वयक हरेन्द्र कुमार तोमर ने बाड़ी परियोजना, जलग्रहण, किसान क्लबो से जुड़कर लाभान्वित होने के बारे मे बताया। कार्यक्रम मे ट्रस्ट के परियोजना अधिकारी अनील जैन, नरेन्द्र नागर, नितीन जोशी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

दैनिक भास्कर
बांसवाड़ा, शनिवार, 21 दिसंबर, 2013 5
बांसवाड़ा

ड्रिप इरिगेशन की जानकारी दी

बांसवाड़ा। ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से जिले के किसानों का चार दिवसीय भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। भ्रमण के तहत किसानों को सीकर और अलवर के जैन इरिगेशन का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण में जैन इरिगेशन जयपुर के समन्वयक डॉ. पकज जैन ने किसानों को किसान प्रौद्योगिकी स्थानांतरण कार्यक्रम की जानकारी दी। जैन ने कहा कि हम वैज्ञानिक तरीके से समन्वित खेती करें तो हमें प्रति एकड़ लाभ ज्यादा मिल सकता है। प्रशिक्षण में किसानों को ड्रिप सिंचाई पद्धति, जल प्रबंधन, ग्रीन हाउस से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में डॉ. विशाल शर्मा, अरविंद कुमार, हरेंद्र कुमार तोमर, परियोजना अधिकारी अनिल जैन, नरेंद्र नागर मौजूद थे।